

## मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री ने महिला सशक्तिकरण पर बल दिया

### चर्चा में क्यों?

हाल ही में मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री ने [उज्जैन ज़िले](#) में एक कपड़ा इकाई के उद्घाटन के दौरान [महिला सशक्तिकरण](#) पर बल दिया।

### मुख्य बिंदु

- **कपड़ा इकाई का उद्घाटन** : मुख्यमंत्री ने [उज्जैन ज़िले](#) में एक नई कपड़ा इकाई का उद्घाटन किया और **रोज़गार** के लिये औद्योगिक विकास के महत्त्व पर प्रकाश डाला।
- **महिला सशक्तिकरण पर फोकस**: कार्यक्रम के दौरान उन्होंने महिला सशक्तिकरण की पुरज़ोर वकालत की तथा मध्य प्रदेश के सामाजिक और आर्थिक विकास में महिलाओं की भूमिका पर बल दिया।
- **महिलाओं के लिये रोज़गार के अवसर** : नई कपड़ा इकाई से रोज़गार सृजन होने की उम्मीद है, विशेष रूप से [महिलाओं के लिये, जिससे वित्तीय स्वतंत्रता को बढ़ावा](#) मिलेगा।
- **सरकारी सहायता**: मुख्यमंत्री ने विभिन्न क्षेत्रों में महिलाओं के लिये रोज़गार के अवसर सृजित करने के लिये राज्य सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई।
- **स्थानीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा**: कपड़ा इकाई की स्थापना को स्थानीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने और आजीविका में वृद्धि करने की एक प्रमुख पहल के रूप में देखा जा रहा है।
- **महिलाओं की भागीदारी को प्रोत्साहित करना**: मुख्यमंत्री ने अधिकाधिक महिलाओं को इन अवसरों का लाभ उठाने के लिये प्रोत्साहित किया तथा औद्योगिक और सामाजिक प्रगति में उनके योगदान पर बल दिया।

### महिलाओं के सामाजिक-आर्थिक सशक्तिकरण के लिये संवैधानिक उपाय

- **अनुच्छेद 14**: कानून के समक्ष समानता और कानूनों के समान संरक्षण की गारंटी देता है, जाति, धर्म, लिंग और जन्म स्थान के आधार पर भेदभाव पर रोक लगाता है।
- **अनुच्छेद 15(3)**: राज्य को महिलाओं और बच्चों के लिये विशेष प्रावधान बनाने की अनुमति देता है।
- **अनुच्छेद 16**: सार्वजनिक रोज़गार के मामलों में समान अवसर प्रदान करता है।
- **अनुच्छेद 39(d)**: पुरुषों और महिलाओं दोनों के लिये समान काम के लिये समान वेतन की बात करता है।
- **अनुच्छेद 42**: राज्य को काम की न्यायसंगत और मानवीय स्थिति तथा मातृत्व राहत सुनिश्चित करने के लिये प्रावधान करने का निर्देश देता है।